Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 211 , 06 जनवरी, शुक्रवार 2018, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

रोहिणी आश्रम के संस्थापक के बारे में रिपोर्ट दे सीबीआई : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने उत्तरी दिल्ली के रोहिणी स्थित उस आश्रम के संस्थापक की हरकतों को अत्याधिक संदेहास्पद बताया जहां लड़कियों को कथित तौर पर बंधक बनाकर रखा गया था। उसने सीबीआई से यह बताने को कहा कि आश्रम का संस्थापक अब कहां है और इस बारे में रिपोर्ट मांगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने पैनल के तर्क में प्रथम दृष्टया दम पाया कि आश्रम और उसका संस्थापक वीरेंद्र देव दीक्षित वहां रहने वाली लड़कियों से उनके परिजनों के खिलाफ झूठी शिकायतें दर्ज करवाते थे। पैनल की नियुक्ति अदालत ने ही की थी। पैनल ने कहा कि ऐसा लगता है कि परिजनों के खिलाफ शिकायतें इसलिए दर्ज करवाई जाती थीं ताकि वे आश्रम और दीक्षित के खिलाफ मामले दर्ज ना करवा सकें। कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी वास्तविक, कानून सम्मत और सच्ची धार्मिक गतिविधि में दखल नहीं देंगे लेकिन कपटी या गैरकानूनी गतिविधि को समर्थन भी नहीं देंगे।

एक करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर बंदी

नई दिल्ली। एटीएस ने एक ऐसे ड्रग तस्कर को दबोचा है, जो बरेली से ड्रग की तस्करी कर दिल्ली एनसीआर के इलाके में सप्लाई करता था। दबोचे गए आरोपी की पहचान मंगोलपुरी निवासी विनोद (40) के रूप में हुई। आरोपी के पास से टीम ने 200 ग्राम हेरोइन भी जब्त किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ बताई जा रही है।

दिल्ली की अदालत ने किया विजय माल्या को भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आज फेरा उल्लंघन मामले में सम्मन की बार बार अनदेखी करने पर मुश्किलों में घिरे कारोबारी विजय माल्या को भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया है। मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट दीपक सहरावत ने यह आदेश जारी किया। बार-बार सम्मन के बावजूद माल्या के पेश होने में विफल रहने पर न्यायाधीश ने यह आदेश दिया। अदालत ने कहा, विजय माल्या इस अदालत के समक्ष 30 दिनों के अंदर पेश नहीं हुये और उनकी तरफ से कोई आवेदन भी नहीं दिया गया, ऐसे में उन्हें भगोड़ा घोषित किया जाता है। अदालत ने पिछले साल 12 अप्रैल को शराब कारोबारी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था जिस पर अमल के लिये कोई तारीख तय नहीं की गई थी। माल्या के खिलाफ चार नवम्बर 2016 को गैर जमानती वारंट जारी करते हुये अदालत ने कहा था कि उसकी लौटने की कोई मंशा नहीं है और देश के कानून के प्रति लेश मात्र भी सम्मान नहीं है। अदालत ने कहा था कि माल्या के खिलाफ प्रतिरोधी प्रक्रियाएं अपनाई जानी चाहिये क्योंकि उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं और वह उन मामलों में पेशी से बच रहे हैं। माल्या ने याचिका देकर कहा था कि वह भारत लौटना चाहता है लेकिन भारतीय अधिकारियों द्वारा उसका पासपोर्ट रद्द कर दिये जाने की वजह से यात्रा करने में अक्षम है।

भीमा कोरेगांव हिंसा की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो: संभाजी भिडे

सांगली। पुणे के निकट भीमा कोरेगांव में दलित समुदाय के साथ हुई हिंसा के मामले में कथित आरोपी शिव प्रतिष्ठान के मुखिया संभाजी भिडे गुरुजी ने आज इस मामले की गहन जांच की मांग की। भीमा कोरेगांव में एक जनवरी को हिंसा हुई थी और तीन जनवरी को दलित समुदाय ने महाराष्ट्र बंद किया था। दलित नेता प्रकाश अम्बेडकर ने आरोप लगाया कि, एक जनवरी को हिंसा के समय भिडे स्वयं भीमा कोरेगांव में उपस्थित थे। उन्होंने भिडे और अन्य आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की थी।

यूपी में शिक्षक तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 जनवरी से

लखनऊ। सरकारी प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों के अंतरजनपदीय तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 जनवरी से लिए जाएंगे। वहीं फरवरी के दूसरे हफ्ते तक स्थानांतरण सूची जारी कर दी जाएगी। इस संबंध में बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव संजय सिन्हा ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक 13 जनवरी को तबादले का विज्ञापन जारी किया जाएगा। वहीं आवेदन 16 जनवरी से 23 जनवरी तक ही लिए जाएंगे।

24 घंटे के सीएम सिटी में 3 कत्ल

गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात एक इलेक्ट्रीशियन की गला काट कर हत्या कर दी गई। हत्यारों ने उसका शव खेत में फेंक दिया। पिपराइच क्षेत्र में मनबढ़ों ने एक पोल्ट्रीफार्म के चौकीदार को पीट-पीटकर मार डाला। शुक्रवार की सुबह चिलुआताल क्षेत्र में एक मनबढ़ युवक ने अपनी पत्नी के गले में चाकू घोंप दिया और आस-पास मौजूद लोगों को धक्का देकर फरार हो गया। घायल महिला को इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जिले में 24 घंटे के दौरान हत्या की 3 घटनाओं से सनसनी फैल गई है। पुलिस इन तीनों मामलों में हत्यारों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

वारदात-एक: खोराबार क्षेत्र में गला काट इलेक्ट्रीशियन की हत्या

खोराबार थाना क्षेत्र स्थित रामनगर कड़जहां के समीप गुरुवार की रात एक इलेक्ट्रीशियन की गला काटकर हत्या कर दी गई। हत्यारों ने उसका शव वहीं खेत में फेंक दिया। शुक्रवार की राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इलेक्ट्रीशियन की हत्या किन लोगों ने और क्यों की, पुलिस यह पता लगा रही है।

हत्यारों ने इलेक्ट्रीशियन श्यामबिहारी को खेत में ले जाकर की हत्या

खोराबार पुलिस हत्या की वजह व हत्यारों का पता नहीं लगा सकी

रामनगर कड़जहा गांव निवासी निवासी रामनरेश का 40 वर्षीय पुत्र श्यामबिहारी इलेक्ट्रीशियन था। वह गांव में घूम-घूमकर लोगों के इलेक्ट्रानिक सामान ठीक करता था। बिजली की वायरिंग भी करता था। गुरुवार को श्यामबिहारी की पत्नी दुदही अपने मायके चली गई थी। उसके साथ तीनों बच्चे भी थे। घर पर रामनरेश अकेले थे। श्यामबिहार सुबह ही काम पर निकल गया था। शुक्रवार की सुबह गांव के कुछ खेतों की तरफ गए थे। सड़क के किनारे खेत में खून से सना श्यामबिहारी का शव देखकर वे चीख पड़े। उन्होंने शोर मचाया। उनका शोर सुनकर गांव के लोग जमा हो गए। सूचना खोराबार थाने की पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर श्यामबिहारी का शव कब्जे में ले लिया। श्यामबिहार के शरीर पर पैंट-शर्ट और स्वेटर था। उसका जूता पैरों से बाहर निकल गया था। उसके गला धारदार हथियार से काट दिया गया था। खोराबार थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने ग्रामीणों से बातचीत की लेकिन किसी ने यह नहीं बताया कि श्यामबिहारी गुरुवार की शाम को अपने घर पहुंचा था कि नहीं।

वारदात-दो: पिपराइच क्षेत्र में पोल्ट्रीफार्म के चौकीदार की हत्या

पिपराइच थाना क्षेत्र के ताज पिपरा चौराहे के समीप स्थित गौरव पोल्ट्रीफार्म के चौकीदार रामअधार यादव की गुरुवार की रात लोहे की राड़ से प्रहार कर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कजे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है।

लोहे की राड से सिर पर प्रहार की गई चौकीदार रामअधार की हत्या

ताज पिपरा चौराहे पर पोल्ट्रीफार्म पर चौकीदार थे रामअधार यादव

पिपराइच थाना क्षेत्र के पोखरभिंडा उर्फ चकदहां गांव निवासी रामअधार यादव कस्बे के ही स्वर्णव्यवसाई श्रीचंद वर्मा के ताज पिपरा चौराहे पर स्थित गौरव पोल्ट्रीफार्म पर चौकीदार थे। एक पखवारे पहले ही उसने नौकरी शुरू की थी। शुक्रवार की पोल्ट्रीफार्म के बगल में बने मकान के एक कमरे के सामने रामअधार का खून में सना पड़ा था। रामअधार के सिर पर गंभीर चोट लगी थी। बगल में लोहे की राड पड़ी थी

जिस पर खून लगा था।

पोल्ट्रीफार्म के कर्मचारियों ने रामअधार का शव देखकर मालिक को सूचना दी। सूचना पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रामअधार का शव और लोहे की राड कब्जे में ले लिया। पुलिस ने पोल्ट्रीफार्म के बगल में मकान में रहने वाले कुशीनगर जिले के हाटा क्षेत्र स्थित गौनर निवासी प्रेमचंद साहनी तथा फत्तेह सिंह को हिरासत में ले लिया। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। रामअधार की पत्नी सिरताजी की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है। चर्चा है कि रामअधार ने मालिक से अंडा चोरी की शिकायत की थी जिसे लेकर कुछ लोग नाराज थे।

वारदात तीन: चिलुआताल में युवक ने चाकू घोंप पत्नी की हत्या

चिलुआताल थाना क्षेत्र स्थित करीम नगर में किराये पर कमरा लेकर रहे एक मजदूर के भाई ने शुक्रवार की सुबह अपनी पत्नी के गले में चाकू घोंप दिया। आस-पास के लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह धक्का देकर फरार हो गया। घायल महिला को इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

किराए पर रह रहे रहे भाई के कमरे पर पत्नी के साथ रुका था आरोपी आस-पास के लोगों को धक्का देकर मौके से फरार हो गया आरोपित

गुलरिहा क्षेत्र के हरपुर निवासी चुन्नू दस दिन पूर्व 24 वर्षीया पत्नी नंदिनी के के साथ बड़े भाई संतोष के किराए के कमरे पर आया था। संतोष करीमनगर निवासी राममूरत यादव के मकान में चार माह से किराए पर कमरा लेकर पत्नी कुसुम के साथ रहता था। शुक्रवार की सुबह संतोष और उसकी पत्नी दवा लेने चले गए। कमरे पर चुन्नू और नंदिनी थे। किसी बात को लेकर दोनों आपस में मारपीट करने लगे। आवाज सुनकर बगल में किराए पर रह रहे छात्र निर्भय व उसके भाई अजीत ने मामले की जानंकारी मकान मालिक राममूरत और उनकी पत्नी को दी।

मकान मालिकिन ने वहां पहुंचकर दरवाजा पीटना शुरू कर दिया। वह अंदर से बंद था। अचानक चुन्नू ने दरवाजा खोला और धक्का देते हुए फरार हो गया। कमरे से नंदिनी बाहर निकली। उसके गले में गहरा घाव था। वह बरामदे में गिर पड़ी। इसी बीच संतोष अपनी पत्नी के साथ पहुंच गया। पति-पत्नी ने नंदिनी को मेडिकल कालेज पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नंदिनी का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वह संतोष की पत्नी को साथ लेकर

राज्यसभा प्रत्याशियों के खिलाफ आप कार्यकर्ता पहुंचे केजरीवाल के घर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किए गए उम्मीदवारों के खिलाफ पार्टी के कुछ पार्षद व कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंचकर विरोध जताया है।

उनका कहना था कि उनका मकसद केजरीवाल से टिकट बंटवारे का फामरूला पता करना है। पार्टी के भीतर बेहतर नेता होने के बावजूद आप नेतृत्व ने किस आधार पर बाहरी लोगों को टिकट दिया। मुख्यमंत्री आवास पर सुबह करीब आठ बजे पहुंचे आप कार्यकर्ताओं में महिलाएं भी शामिल थीं। करीब एक घंटे तक मौके पर मौजूद रहने के बावजूद उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से नहीं हो सकी। आखिर में सभी वापस लौट गये। पार्टी कार्यकर्ता गौरव राय ने कहा कि आप के कार्यकर्ताओं की आपत्ति इस बात पर है कि कुमार विास व आशुतोष जैसे नाम पार्टी के भीतर होने के बावजूद दो बाहरी लोगों को टिकट दिया गया। आप कार्यकर्ताओं का आरोप था कि पार्टी से वैकल्पिक राजनीति देने की उम्मीद करने वाले आम कार्यकर्ताओं को इससे ठेस पहुंची है। यह किसी भी पैमाने पर ठीक भी नहीं है। मुख्यमंत्री से सवाल भी यही होगा कि आखिर दो बाहरी लोगों की योग्यता क्या है।

किस हैसियत वह पार्टी का राज्य सभा में नेतृत्व करेंगे। खास तौर से सुशील गुप्ता तो मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मुहिम भी चला चुके हैं। यह अचानक आप के पसंदीदा कैसे हो गये।गौरव राय ने कहा कि काफी देर तक वह मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात करने की अपील करते रहे। लेकिन उन्हें आवास में जाने नहीं दिया गया। मुख्यमंत्री के पास वक्त न होने की बात बार-बार कही गयी। ऐसे में सभी वापस लौट गये। हालांकि, आप कार्यकर्ताओं का कहना था कि मुख्यमंत्री अगर अपने कार्यकर्ता से सीधी मुलाकात करने से डर रहे हैं तो तो उन्हें सोशल मीडिया पर ही सफाई दे देनी चाहिए।

संजय लखपती भी नहीं-गुप्ता बंधु करोड़पति

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह पर विपक्षी पार्टियां बेशक करोड़पति होने का आरोप लगा रही हैं, लेकिन संजय सिंह लखपती भी नहीं हैं। अचल संपत्ति के नाम पर उनके पास कुछ भी नहीं है। उनके पास 59, 499 लाख रुपए ही चल संपत्ति है। दिलचस्पय यह है कि संजय सिंह की पत्नी ज्यादा अमीर हैं। उनके पास करीब 6 लाख 10 हजार रुपये की चल-अचल संपत्ति है।चुनाव आयोग के पास दाखिल हलफनामे में संजय सिंह ने अपनी आय 224 रुपए व उनकी पत्नी की 49 हजार 874 रुपए दिखाई है। संजय सिंह के तीन बैंक खाते में 16 हजार 100 रुपए जमा हैं। जबकि उनकी पत्नी के तीन खातों में 27 हजार रुपये जमा है। संजय सिंह ने 59000 रुपये की अचल संपत्ति दिखायी है। वहीं, उनकी पत्नी के पास 4.27 लाख के सोने को मिलाकर करीब 6 लाख रुपये से ज्यादा हैं। हलफनामे के मुताबिक, संजय सिंह के खिलाफ मानहानि समेत चार मामलों के साथ दूसरे मामले भी दर्ज हैं।

दूसरी ओर सुशील गुप्ता की संपत्ति करोड़ों में हैं। सुशील गुप्ता के पास 2, 68,164 करोड़ रुपये कैश और चार बैंक अकाउंट में 13 लाख रुपये जमा हैं। उनके पास 15 लाख रुपये का गोल्ड व 10 लाख रुपये का निवेश कर रखा है। दूसरी तरफ उनकी पत्नी की आय 7.07 लाख व 2.76 कैश लाख रुपये है। पांच लाख रुपये उनके तीन बैंक अकाउंट में जमा है और सात लाख रुपये का सोना उनके पास है। सुशील गुप्ता की अचल संपत्ति 26 करोड़ रुपये व उनकी पत्नी की 159 करोड़ रुपए है। दोनों के ऊपर 96 लाख का बैंक लोन भी है। सुशील गुप्ता के ऊपर दो मामले भी लंबित हैं। तीसरे उम्मीवादर के तौर पर एनडी गुप्ता की 1.14 करोड़ रुपये की आय व 1.95 लाख रुपये कैश है। वहीं, उनकी पत्नी की आय 46.63 लाख और कैश 1.90 लाख है। एनडी गुप्ता के बैंक अकांउट में 44 लाख रुपये व एफडी के साथ पत्नी के अकांउट में 2.2 करोड़ रुपये हैं। गुप्ता के ऊपर कोई मामला दर्ज नहीं है। एनडी गुप्ता के पास 7.5 लाख रुपये का गोल्ड व 80 हजार का सिल्वर है। वहीं पत्नी के पास 21 लाख रुपये का गोल्ड व 1.60 लाख रूपए का सिल्वर है।

केजरीवाल सरकार के विरुद्ध वार्ड स्तर से अभियान शुरू करेगी भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश भाजपा दिल्ली सरकार के विरुद्ध राजधानी में जमीनी अभियान चलाएगी। यह अभियान वार्ड स्तर से शुरू होगा। यह निर्णय बुधवार देर रात केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के सरकारी आवास पर हुई कोर ग्रुप की बैठक में लिया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केजरीवाल सरकार की विफलताओं को उजागर करना है। सूत्रों की माने तो बैठक में कुछ सदस्यों ने सीलिंग, पानी की दरें बढ़ाने एवं मैक्स के मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व की ढुलमुल नीतियों की आलोचना की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी की अध्यक्षता में कोर ग्रुप की बैठक में पार्टी सांसदों एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन के निवास पर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कोर ग्रुप ने नगर निगमों के सीलिंग अभियान के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी द्वारा चलाये जा रहे अभियान पर चिंता प्रकट की। मनोज तिवारी ने कहा, तय यह है कि आप सरकार नियम बनाने में विफल रही जिससे उच्चतम न्यायालय की निगरानी समिति ने सीलिंग अभियान चलाया। हम वार्ड स्तर पर अपना अभियान शुरू कर केजरीवाल सरकार को बेनकाब करेंगे।

सूत्रों का यह भी कहना है कि कुछ सदस्यों ने मेट्रो की किराया बढ़ोतरी एवं सीलिंग के मुद्दे केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी की नीतियों की आलोचना की। उनका तर्क था कि इससे भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

संसद में सुनाई आपबीती

ट्रेन में एसी फर्स्ट कोच से 2 महिला सांसदों का सामान चोरी,

नई दिल्ली। ट्रेन में चोरी के बढ़ते मामलों का मुद्दा शुक्रवार को राज्यसभा में भी गूंजा। मामला उठाया दो महिला सांसदों ने जिनका खुद का सामान ट्रेन में सफर के दौरान चोरी हो गया। दोनों सांसदों का कहना था कि जब चोरों की नजर से सांसदों का सामान नहीं बच रहा है तो आम रेल यात्री के साथ क्या होता होगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है।

राजधानी एसी फर्स्ट क्लास कोच से सांसद झरना दास का सामान चोरी

प्रश्नकाल के दौरान माकपा की झरना दास ने रेल मंत्री पीयूष गोयल से पूरक प्रश्न पूछते हुए कहा कि वह राजधानी ट्रेन के प्रथम श्रेणी कोच में दिल्ली से कोलकाता जा रही थीं। रास्ते में उनका सामान चोरी कर लिया गया। उन्होंने कोलकाता जाकर इसकी रिपोर्ट लिखवायी। इसके बाद ही वह त्रिपुरा गयी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट दर्ज कराने के बावजूद अब तक सामान का कोई सुराग नहीं लगा।

उन्होंने कहा कि ट्रेनों में सुरक्षा के नाम पर मात्र दो सिपाही होते हैं। स्टेशनों पर भी रेलवे पुलिस के थानों में महज दो तीन सिपाही मिलते हैं। उन्होंने दावा किया कि रेलवे पुलिस थानों में पुलिस से ज्यादा चूहे और काक्रोच दिखाई देते हैं।

पीयूष गोयल का जवाब- चोरी के मामलों में राज्य पुलिस करती है कार्रवाई

इस पर रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सुरक्षा राज्य का विषय है। रेलवे पुलिस की जिम्मेदारी केवल रेलवे संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा करना है। चोरी आदि के मामलों में रेलवे पुलिस राज्य पुलिस की मदद करती है। राज्य पुलिस ही चोरी आदि के मामलों में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई करती है।

पीयूष गोयल ने कहा कि चोरी जिस राज्य में हुई, उससे पता चलता है कि वहां कानून व्यवस्था की क्या स्थिति है। उन्होंने कहा कि रेलवे सारी ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर सीसीटीवी लगाने की योजना बना रही है। इससे यात्रियों एवं रेलवे की बेहतर सुरक्षा में मदद मिलेगी।

बीजेडी सांसद सरोजिनी हेम्ब्रम का सामान भी एसी फर्स्ट क्लास से चोरी

इसके बाद बीजेडी की सरोजिनी हेम्ब्रम ने भी पूरक सवाल पूछते हुए कहा कि उनका भी ट्रेन यात्रा के दौरान प्रथम श्रेणी की बोगी से सामान चोरी हो गया। उन्होंने कहा कि जब सांसदों का सामान ही ट्रेन में सुरक्षित न हो तो आम रेल यात्रियों की क्या स्थिति होगी इसकी कल्पना की जा सकती है। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि ट्रेनों में यात्रियों और उनके सामान की सुरक्षा के लिए क्या प्रबंध किये जा रहे हैं।

जहरखुरानों के कुछ संगठित गिरोह सक्रिय: सपा सांसद रामगोपाल यादव

सपा के रामगोपाल यादव ने कहा कि ऐसा देखने में आ रहा है कि दिल्ली एवं कानपुर के बीच जहरखुरानों के कुछ संगठित गिरोह चलते हैं जो लोगों को खाने के सामान में विषाक्त पदार्थ मिलाकर लूट लेते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को ट्रेनों में चलने वाले गैर कानूनी सामान विक्रेताओं पर भी पाबंदी लगानी चाहिए।

ऐसी घटनाएं रोकने के हर संभव किए जा रहे हैं: पीयूष गोयल

इसके जवाब में गोयल ने कहा कि रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेल सुरक्षा बल आपस में सामंजस्य कायम कर रेलगाड़ियों में अपराधों को रोकने के हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि रेलगाड़ियों में अपराधों को अंजाम देने वाले अराजक तत्व यात्रा का वैध टिकट लेकर सवार होते हैं।

सुरक्षा कर्मियों के लिये इन्हें सामान्य अपराधियों से अलग कर इनकी पहचान कर पाना मुमकिन नहीं होता है। गोयल ने इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिये सभी सदस्यों से रेल यात्रा के दौरान किसी भी तरह की वारदात या साफ सफाई सहित अन्य असुविधाओं की शिकायतें विभिन्न माध्यमों से करने की अपील की जिससे इन पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। गोयल ने कहा कि इसके लिये सोशल मीडिया, मोबाइल एप और पत्राचार को माध्यम बनाया जा सकता है।

बुद्धिमान को चाहिए कि वह धन का नाश, मन का संताप, घर के दोष, किसी के द्वारा ठगा जाना और अपमानित होना-इन बातों को किसी के समक्ष न कहे -चाणक्य नीति

''आप'

आदमी पार्टी ने संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) में भेजने के लिए जिन व्यक्तियों का चयन किया है, उससे न केवल राजनीतिक जानकारों को अचरज हुआ बल्कि यह भी सुनिश्चित हो गया कि इस देश में वैकल्पिक राजनीति के लिए कोईजमीन नहीं बची है। आम आदमी का, आम आदमी के लिए और आम आदमी द्वारा शासन संचालित करने का आकर्षक और लोक लुभावन नारा गढ़ने वाले अरविंद केजरीवाल की पार्टी ''आप' और अन्य राजनीतिक पार्टियों की प्रकृति और कार्यशैली में कोई बुनियादी फर्क नहीं है। दरअसल, यह केजरीवाल की मजबूरी है क्योंकि आज भारतीय लोकतंत्र और भारत की चुनावी राजनीति जिस तरह धन और बाहुबल की चेरी बन गई है, उसमें सादगी, ईमानदारी और सच्चे लोक सेवकों के लिए कोईजगह ही नहीं रह गईहै, और यह भी सच है कि जो इस कोठरी में रहेगा, उसकी कमीज पर कालिख लगनी ही है। लेकिन ऐसा नहीं है कि केजरीवाल राजनीति के इस यथार्थ से परिचित नहीं थे। वह पढ़े-लिखे और तेजतर्रार व्यक्ति हैं, और अन्ना हजारे के नेतृत्व में लोकपाल के लिए जो आंदोलन हुआ था, उस दौरान उन्हें भारतीय राजनीति की असलियत को गौर से परखने का मौका भी मिला था। बावजूद इसके उन्होंने राजनीति में आदर्श, पारदर्शिता और शुचिता स्थापित करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। सही मायने में आम आदमी के साथ यह राजनीतिक छलावा था। सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता जैसे लोगों को उच्च सदन में भेजकर उन्होंने अपने एकाधिकारवादी गुणों का ही परिचय दिया है क्योंकि उनके ज्यादातर विधायक इस निर्णय के पक्ष में नहीं थे। आखिर सुशील गुप्ता की करोड़पति होने के अलावा राजनीति में विश्वसनीयता ही क्या है? इसीलिए आम आदमी पार्टी के नेतृत्व पर पैसे का लेन-देन के आरोप भी लग रहे हैं। सुशील गुप्ता कांग्रेस के टिकट पर मोती नगर सीट से 2013 का विधान सभा चुनाव लड़ चुके हैं, और आम आदमी पार्टी के प्रखर विरोधी रहे हैं। पार्टी का उच्च नेतृत्व दावा कर रहा है कि वह उच्च सदन में प्रख्यात लोगों को भेजना चाहता था। अट्ठारह लोगों की सूची भी तैयार की गई थी, लेकिन उनसे संपर्क करने पर कोईभी इसके लिए राजी नहीं हुआ। यह गंभीर सवाल है कि क्या उनकी विश्वसनीयता और साख इतनी गिर गईहै कि कोई नामचीन व्यक्ति उनके साथजुड़ना नहीं चाहता था या कोई दूसरा मसला है। अरविंद को इन सवालों पर आत्ममंथन करना चाहिए।

चीन की दुर्नीति

सैनिकों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के तूतिंग क्षेत्र में एक किलोमीटर अंदर घुसकर सड़क बनाने की कोशिश का कोई वाजिब निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है। इसे चीन की दुर्नीति के अलावा कुछ नहीं कहा जा सकता। हालांकि भारतीय सैनिकों ने उनको वापस जाने पर मजबूर कर दिया और इस समय उनका निर्माण कार्य नहीं चल रहा है। आज की स्थिति में वहां भारतीय सुरक्षा बलों का कब्जा है। इससे तो हम राहत की सांस ले सकते हैं कि तूतिंग में डोकलाम जैसी स्थिति पैदा नहीं हुई। किंतु जब भारतीय तिब्बती सीमा पुलिस ने उन्हें काम रोकने के लिए कहा तो उनका जवाब था, हम अपने क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उसके बाद सेना को वहां हस्तक्षेप करना पड़ा। आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया? ध्यान रखिए, जिस इलाके में ये सड़क बना रहे थे वह 3488 किलोमीटर वास्तविक नियंतग्र रेखा का हिस्सा नहीं है जिस पर मतभेद माना जाता है। वस्तुत: इस इलाके में पहली बार यह घटना हुई है। यह पहलू ज्यादा चिंताजनक है। यही नहीं जिस समय की यह घटना है उस समय हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से नई दिल्ली में सीमा विवाद पर बातचीत कर रहे थे। तो एक ओर बातचीत और दूसरी ओर ऐसी हरकत का क्या अर्थ हो सकता है? भारत को परेशान करने और दबाव में लाने के अलावा इसका कोई उद्देश्य हो ही नहीं सकता। चीन पूरे अरुणाचल पर अपना दावा जताते हुए इसे दक्षिणी तिब्बत कहता है। इस घटना पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग की टिप्पणी में कहा भी गया कि हमने अरुणाचल प्रदेश के वजूद को कभी माना ही नहीं। वे कहते हैं कि सीमा मुद्दे पर हमारी स्थिति स्पष्ट एवं एक जैसी है तो इसका मतलब यही है कि जिन भागों पर चीन का दावा है वे चीन के ही हैं और इस सोच में कोई बदलाव नहीं है। हालांकि भारतीय सीमा में घुसने और सड़क बनाने की सूचना से चीन ने इनकार किया है..जाहरि है, हम यह नहीं मान सकते कि चीन आगे से ऐसा नहीं करेगा। उसकी रणनीति अरुणाचल पर अपने दावे को बनाए रखने की है। सीमा विवाद पर वह बातचीत करेगा, लेकिन समाधान के किसी सूत्र से सहमत भी नहीं होगा। भारत को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए हर क्षण तैयार रहना होगा।

सत्संग

प्रेम की ज़ावना

नुष्य के अनुभव में, प्रतीति में सुख और दुख दो अनुभूतियां हैं-गहरी से गहरी। अस्तित्व का जो अनुभव है, अगर हम नाम को छोड़ दें, तो या तो सुख की भांति होता है या दुख की भांति होता है। और सुख और दुख भी दो चीजें नहीं हैं। अगर हम नाम बिलकुल छोड़ दें, तो सुख दुख का हिस्सा मालूम होगा और दुख सुख का हिस्सा। लेकिन हम हर चीज को नाम देकर चलते हैं। मेरे भीतर सुख की प्रतीति हो रही हो, अगर मैं यह न कहूं कि यह सुख है, तो हर सुख की प्रतीति की अपनी पीड़ा होती है। यह थोड़ा कठिन होगा समझना। हर सुख की प्रतीति की अपनी पीड़ा होती है। प्रेम की भी अपनी पीड़ा है। सुख का भी अपना दंश है, सुख की भी अपनी चुभन है, सुख का भी अपना कांटा है-अगर नाम न दें। अगर नाम दे दें, तो हम सुख को अलग कर लेते हैं, दुख को अलग कर देते हैं। फिर सुख में जो दुख होता है, उसे भुला देते हैं-मान कर कि वह सुख का हिस्सा नहीं है। और दुख में जो सुख होता है, उसे भुला देते हैं-मान कर कि वह दुख का हिस्सा नहीं है। क्योंकि हमारे शब्द में दुख में सुख कहीं भी नहीं समाता; और हमारे शब्द सुख में दुख कहीं भी नहीं समाता। आज ही मैं किसी से बात करता था कि यदि हम अनुभव में उतरें, तो प्रेम और घृणा में अंतर करना बहुत मुश्किल है। शब्द में तो साफ अंतर है। इससे बड़ा अंतर और क्या होगा? प्रेम जीवंत अनुभव में प्रवेश करें, तो घृणा प्रेम में बदल जाती है, प्रेम घृणा में बदल जाता है। असल में, ऐसा कोई भी प्रेम नहीं है, जिसे हमने जाना है, जिसमें घृणा का हिस्सा मौजूद न रहता हो। इसलिए जिसे भी हम प्रेम करते हैं, उसे हम घृणा भी करते हैं। लेकिन शब्द में कठिनाई है। शब्द में, प्रेम में सिर्फ प्रेम आता है, घृणा छूट जाती है। अनुभव में, शब्द में नहीं। और जिसे हम घृणा करते हैं, उसे हम घृणा इसीलिए कर पाते हैं कि हम उसे प्रेम करते हैं; अन्यथा घृणा करना संभव न होगा। शत्रु से भी एक तरह की मित्रता होती है; लगाव होता है। मित्र से भी एक तरह का अलगाव होता है और एक तरह की शत्रुता होती है। शब्द की अड़चन है। शब्द हमारे ठोस हैं और अपने से विपरीत को भीतर नहीं लेते। अस्तित्व बहुत तरल और लिक्विड है; अपने से विपरीत को सदा भीतर लेता है।

''झूठ और धोखे'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभालते ही यह स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान यदि अपनी दोहरी चालों से बाज नहीं आता है तो उसे गंभीर परिणाम के लिए तैयार रहना चाहिए। अभी पिछले महीने जारी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भी पाकिस्तान आधारित अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों को अमेरिका, उसके मित्र और सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया गया था। लेकिन बहुत कम लोगों को ऐसी उम्मीद थी कि राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही इस रणनीति पर अमल करना भी शुरू कर देंगे। वर्ष 2018 के आरम्भ में ही, विदेशी राष्ट्रों के लिए दिए गए अपने पहले ही संदेश में उन्होंने पाकिस्तान को न केवल आड़े हाथों लिया, बल्कि यह प्रण भी लिया।

सतीश पेडणोकर

जहां तक पाकिस्तान को अमेरिका द्वारा दी जा रही आर्थिक और अन्य मदद को खत्म करने का सवाल है वह ज्यादा यथार्थवादी प्रतीत नहीं होता है। इस बात को अमेरिका और पाकिस्तान दोनों बखूबी समझते हैं। यही वजह है कि ह्वाइट हाउस ने मदद पर रोक लगाने की बात के साथ-साथ यह भी जोड़ दिया था कि इस तरह की मदद की नियति भविष्य में आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कदमों पर निर्भर करेगी। अतरराष्ट्रीय राजनीति में न तो कोई स्थायी मित्र होता है और न ही स्थायी शत्रुठ यह बात पाकिस्तान और अमेरिका के बीच बदलते हुए रिश्तों के परिप्रेक्ष्य में समझी जा सकती है। कभी अमेरिका का बहुत करीबी रहा पाकिस्तान आज बदलती हुई भू-राजनीतिक परिस्थितियों में उससे काफी दूर जाता हुआ दिखाई पड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभालते ही यह स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान यदि अपनी दोहरी चालों से बाज नहीं आता है तो उसे गंभीर परिणाम के लिए तैयार रहना चाहिए। अभी पिछले महीने जारी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भी पाकिस्तान आधारित अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों को अमेरिका, उसके मित्र और सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया गया था। लेकिन बहुत कम लोगों को ऐसी उम्मीद थी कि राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही इस रणनीति पर अमल करना भी शुरू कर देंगे। वर्ष 2018 के आरम्भ में ही, विदेशी राष्ट्रों के लिए दिए गए अपने पहले ही संदेश में उन्होंने पाकिस्तान को न केवल आड़े हाथों लिया, बल्कि यह पग्रभी लिया कि वह ''झूठ और धोखे' पर आधारित पाकिस्तान-अमेरिका रिश्तों की प्रकृति को बदल देंगे। जनवरी के पहले दिन सुबह-सुबह किए गए अपने ट्वीट में उन्होंने कहा कि ''अमेरिका ने मूर्खतापूर्ण रूप से पाकिस्तान को पिछले 15 वर्षों में 33 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता राशि दी है, और उसके बदले में उन्होंने हमें झूठ और धोखा दिया है।

' इसके साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि पाकिस्तान उन आतंकवादियों को अपने घर में पनाह देता है। इसके पश्चात अमेरिका ने पाकिस्तान को दिए जाने वाले 255 मिलियन डॉलर के सैन्य सहयोग तो तत्काल प्रभाव से यह कहते हुए रोक दिया कि इस तरह की सहायता पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध उठाए जाने वाले कदमों पर निर्भर करेगा। पाकिस्तान से इस फैसले पर प्रतिक्रिया आना और पाकिस्तान का बचाव करना स्वाभाविक ही था। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ट्रंप के ट्वीट के एक घंटे के अंदर ही उसका जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान जल्द ही राष्ट्रपति ट्रंप को न केवल जवाब देगा बल्कि पूरी दुनिया को सच्चाई से अवगत कराएगा। एक समाचार चैनल को दिए गए अपने साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के विरूद्ध जारी संघर्ष में काफी कुछ किया है और हमने राष्ट्रपति ट्रंप को पहले ही बता दिया है कि अब हम और ज्यादा नहीं कर सकते इसलिए ट्रंप के ''और नहीं' का कोई मतलब नहीं है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री खुर्रम दस्तगीर ने एक कदम आगे जाते हुए अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि ''आतंकवाद विरोधी सहयोगी होने के नाते पाकिस्तान ने पिछले 16 सालों से अमेरिका को मुफ्त में जमीनी और हवाई संचार, सैन्य ठिकाने और खुफिया सहयोग उपलब्ध कराया, जिसकी वजह से अल-कायदा का विनाश किया जा सका और उन्होंने (अमेरिका) हमें आक्षेप और अविास दिया।' पाकिस्तान की सरकार और राजनेताओं के साथ-साथ पाकिस्तानी सेना, जो परदे के पीछे से पाकिस्तानी सत्ता को नियंत्रित करती है, ने भी राष्ट्रपति ट्रंप के लगातार कड़े होते रुख को गंभीरता से लिया है। यही वजह है कि सेना ने 2 जनवरी को रावलपिंडी स्थित सैन्य मुख्यालय में कोर कमांडर बैठक बुलाई और इस गंभीर मसले पर गूढ़ चर्चा की गई। इसके बाद पाकिस्तान के सिविल और सैन्य पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (नेशनल सिक्योरिटी कमिटी) की एक महत्त्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में इस बात पर आम सहमति से यह निर्णय लिया गया कि अमेरिका द्वारा उकसाने के बाद भी पाकिस्तान जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगा और अफगानिस्तान में शांति-प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध रहेगा। इस वक्त का सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वास्तव में अमेरिका पाकिस्तान को दी जाने वाली हर तरह की मदद खत्म कर देगा? और यदि ऐसा होता है तो अफगानिस्तान कि शांति-प्रक्रिया पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? पाकिस्तान-अमेरिका संबधों के ऐतिहासिक पक्ष को देखते हुए और वर्तमान समय में बदलते हुए भू-राजनीतिक वातावरण के सूक्ष्म विश्लेषण से यह बात सामने आती है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के प्रति अपनाए गए इस कड़े रु ख के पीछे दोनों देशों के तात्कालिक राष्ट्रीय हितों में होने वाला टकराव है। जहां तक पाकिस्तान को अमेरिका द्वारा दी जा रही आर्थिक और अन्य मदद को खत्म करने का सवाल है वह ज्यादा यथार्थवादी प्रतीत नहीं होता है। इस बात को अमेरिका और पाकिस्तान दोनों बखूबी समझते हैं। यही वजह है कि ह्वाइट हाउस ने मदद पर रोक लगाने की बात के साथ-साथ यह भी जोड़ दिया था कि इस तरह की मदद की नियति भविष्य में आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कदमों पर निर्भर करेगी। गौरतलब है कि वर्ष 2001 में आतंकवाद के खिलाफ नियंतग्र संघर्ष के आगाज के साथ ही अमेरिका ने पाकिस्तान को कई मदों के अंतर्गत आर्थिक व अन्य सहयोग देना प्रारंभ किया। इन मदों में सबसे पारदर्शी मद है गठबंधन प्रोत्साहन निधि (कोलीशन सपोर्ट फं ड) जिसके अंतर्गत सार्वजनिक रूप से घोषित सहयोग राशि का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा आता है। यह राशि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ जारी युद्ध में खर्च किए गए धन की प्रतिपूर्ति के रूप में देता है। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य मद भी हैं, जिनका सार्वजनिक रूप से जिक्र तो नहीं होता लेकिन उसके अंतर्गत पाकिस्तान, खासकर उसकी सेना, को बड़ी मात्रा में आर्थिक सहयोग दिया जाता रहा है। यदि अमेरिका पाकिस्तान को प्रतिपूर्ति के रूप में दी जा रही राशि को हमेशा के लिए खत्म करता है तो इस बात की पर्याप्त सम्भावना है कि पाकिस्तानी सेना अमेरिकी हितों को चोट पहुंचाने वाले आतंकी संगठनों के खिलाफहो रही इक्का-दुक्का कार्यवाहियों को बंद कर देगा। जहां तक आतंकवाद को एक रणनीतिक अस्त्र के रूप में उपयोग करने की पाकिस्तानी नीति का प्रश्न है, उस पर अमेरिकी मदद रुकने से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि पाकिस्तान की राष्ट्रीय कहानी (नेशनल नैरेटिव)-जो भारत पर केंद्रित है-पर अभी भी वहां की सेना की मजबूत पकड़ है।

चलते चलते

''जान है तो जहान है'

कुछ ऐसा ही वाक्या लंदन से मुम्बई आ रहे एक निजी विमान में घटा। जहां विमान में पायलट और सह पायलट में आपसी कहासुनी के बाद सह पायलट ने विमान उड़ाने से मना कर दिया और कॉकपिट से बाहर निकल आई। अन्य विमान कर्मियों द्वारा समझाने के बाद दोनों वापस अपनी जगह पर लौटे।

चौबीस लोगों को लेकर हवा में उड़ रहा विमान यकायक अगर पायलट विहीन हो जाए तो, इसकी कल्पना भर से रुह कांप जाएगी। दरअसल, कुछ ऐसा ही वाक्या लंदन से मुम्बई आ रहे एक निजी विमान में घटा। जहां विमान में पायलट और सह पायलट में आपसी कहासुनी के बाद सह पायलट ने विमान उड़ाने से मना कर दिया और कॉकपिट से बाहर निकल आई। उसके पीछे पायलट भी बाहर निकल आया। अन्य विमान कर्मियों (क्रू मेंबर्स) द्वारा समझाने के बाद दोनों वापस अपनी जगह पर लौटे। यह घटना दोहराई भी गई। खैर जैसे-तैसे विमान मुम्बई पहुंचा। कार्रवाई के तौर पर डीजीसीए ने पायलट का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया, वहीं महिला सह पायलट को ग्राउंड अटैच किया कर दिया। लेकिन क्या इस गैर पेशेवराना रवैये के सर्वोत्तम उदाहरण के लिए जो कार्रवाई हुई वो काफी है? बिल्कुल भी नहीं। 324 लोगों की जिंदगियों को जोखिम में डालना किसी अपराध से कम नहीं। इस नाते सिर्फ लाइसेंस निलम्बित करने से बात नहीं बनेगी। बकायदा इनका लाइसेंस रद्द किया जाना चाहिए। क्योंकि इस पायलट जोड़ी ने अपनी निजी भावनाओं के चलते 324 लोगों की जिंदगी दांव पर लगा दी। जो कहीं से माफी के काबिल नहीं। पायलट जैसे पेशे में अपनी भावनाओं पर नियंतग्र चयन के मूल मानकों में है। जहां दोनों पूरी तरह विफल रहे। यह घटना किसी प्रकार के संबंध में रह रहे लोगों को एक साथ पायलट के रूप में विमान की उड़ान पर सवाल खड़े करती है। क्योंकि संबंधों में भावनाएं अक्सर हावी हो जाती हैं। इसकी कीमत क्या हो सकती है, यह घटना हमें बताती है। विमानन उद्योग भारत में तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में है। बड़ी संख्या में लोग हवाई सेवाओं की ओर रुख कर रहे हैं। इस प्रकार की घटनाएं निश्चित तौर पर लोगों के दिलोदिमाग में दहशत पैदा करती हैं और लोग हवाई यात्रा की ओर रु ख करने से परहेज करेंगे। क्योंकि सबके लिए ''जान है तो जहान है' पहली प्राथमिकता है। पायलटों के चयन के अपने मानक तो हैं। लेकिन जो पायलट अभी सक्रिय हैं, उनकी निगरानी के साथ उनके व्यवहार पर भी नजर रखनी जरूरी है।

फोटोग्राफी...

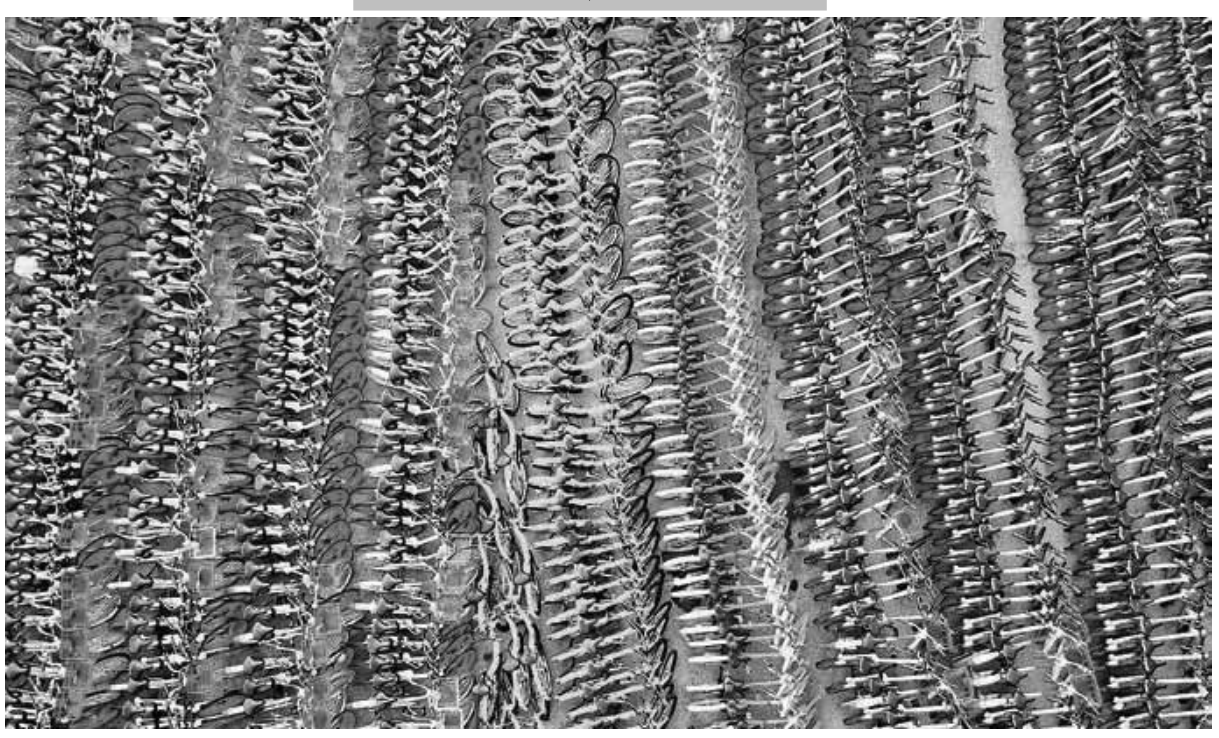

उपयोग नहीं होने से साइकिल के ढेर लग रहे हैं चीन के शहरों में

यह फोटो चीन के शंघाई शहर में उस जगह का है, जहां लोगों के लिए साइकिल उपलब्ध कराई जाती है। कुछ वर्ष पहले इसकी शुरुआत प्रयोग के तौर पर कराई गई थी, तब साइकिलें कम थीं। जब लोगों ने उसे पसंद कि या तो कई कंपनियों ने अपने-अपने स्टैन्ड शुरू कर दिए। आज वहां चलाने वालों से ज्यादा साइकिलों की संख्या है। शंघाई के अति रिक्त शेनझेन जैसे शहर भी हैं, जहां दर्जनों कंपनियों ने अपनी-अपनी साइकिलें सड़क पर उतार दी हैं। सबसे ज्यादा साइकिल शॉपिंग मॉल और सबवे स्टेशनों के बाहर होती हैं। उनका प्रबंधन करने वाली कंपनियों की लापरवाही के कारण साइकिलों के ढेर लग रहे हैं। medium.com

त्योहारों पर छुट्टिया

हमारे देश में अनेक धर्मो के अनुयायी हैं इसलिए हिन्दू, इस्लाम, ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन धर्म से संबद्ध पर्व-त्योहारों पर छुट्टियां सरकारी विद्यालयों और कार्यालयों में होती है। मगर इस बार उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इस्लामी विद्यालयों अर्थात मदरसों के लिए छुट्टियों का 2018 के लिए जो कैलेंडर जारी किया है, उसमें इस्लामी पर्व यथा ईद, मोहर्रम की छुट्टियां देने के साथ अन्य धर्मो के पवरे पर भी छुटिटयां दी है, जैसे-होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन, क्रिसमस, महावीर जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, अंबेडकर जयंती इत्यादि पर। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पर्व यथा 26 जनवरी, 2 अक्टूबर और 15 अगस्त पर भी मदरसे बंद रहेंगे। इसलिए इस बात पर कुछ मुस्लिम नेताओं और उलेमा ने प्रतिक्रिया व्यक्ति करते हुए इसका विरोध किया है। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि मदरसों में अधिकांश छात्र मुस्लिम ही होते हैं और उनमें शिक्षा पूरी तरह इस्लाम धर्म के सिद्धांतों और कुरान पाक व पैगम्बर सल्लम के कथन और कर्मो; हदीस व सुन्नतद्ध पर आधारित होती है। इसलिए इसमें इस्लामिक पर्व ईद, शबे बरात और मोहर्रम पर ही अभी तक अधिकांश छुट्टियां की जाती हैं केवल होली और अंबेडकर जयंती पर ही मदरसों में छुट्टियां की जाती है। पूर्व की राज्य सरकारों ने चाहे वह कांग्रेस, सपा, बसपा अथवा भाजपा की रही है, मदरसों के छुट्टियों के कैलेंडर में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं किया। परन्तु इस वर्ष प्रदेश की भाजपा सरकार ने इसमें महत्वपूर्ण बदलाव समरसता के नाम पर किया। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश में अन्य प्रदेशों के मुकाबले में सबसे अधिक मदरसें हैं। रजिस्ट्रर्ड मदरसों की संख्या 19000 से अधिक है जिनमें से 560 ऐसे मदरसे हैं, जिन्हें राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त होता है। कुछ मस्जिदों में अनरजिस्ट्रर्ड मदरसे भी चलते हैं जिनमें स्थानीय मुस्लिम बच्चें उर्दू व कुरान पाक पढ़ते है। प्राय: मस्जिद के मौलाना जिन्हें इमाम कहा जाता है या हाफिज जी वहां शिक्षा देते हैं। अधिकतर मुस्लिम बालक और बालिकाएं मदरसों में ही शिक्षा प्राप्त करते हैं। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार द्वारा हाल ही में जारी आदेश में पंजीकृत मदरसों से कहा गया है कि वह वर्ष में 92 की जगह 89 छुट्टियां करें और मदरसों को निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार खोलें और बन्द करें। 26 दिसम्बर से 5 जनवरी तक मरदसों में शीतकालीन छुट्टियां रखी जाए। इस आदेश पर कई मुस्लिम नेताओं और मौलवियों ने विरोध जताया और इसे प्रदेश के मुसलमानों के खिलाफ करार दिया। मालूम हो कि अब तक विभिन्न मरदसे अपनी सुविधानुसार यह टाइम टेबल तैयार करते थे। किंतु योगी सरकार ने सभी रजिस्ट्रर्ड मदरसों के लिए एक ही टाइम टेबल लागू कर दिया है। हालांकि सभी मदरसों के लिए समान टाइम टेबल और छुट्टियों का कैलेंडर जारी करना एक सामान्य प्रक्रिया है। मदरसों में 99.9 प्रतिशत मुस्लिम बच्चे ही शिक्षा प्राप्त करते हैं। इसलिए रजिस्ट्रर्ड मदरसों में टाइम टेबल भी इसी दृष्टिकोण से बनाया जाए। उदाहरणार्थ दोपहर 1.00 बजे से 2.00 बजे तक के समय में नमाज भी पढ़ी जाती है। अत: मदरसा बोर्ड इस बात को भी सामने रखे कि नये टाइम टेबल से मदरसों के छात्रों/अध्यापकों को इबादत करने में परेशानी ना हो। इसी तरह मुस्लिम नेताओं और उलेमा को भी यह सोचना चाहिए कि वे किसी इस्लामी मुल्क के वासी नहीं हैं बल्कि धर्मनिरपेक्ष भारत में रहते हैं और अल्पसंख्यक हैं। इसलिए वे मुख्यधारा में आने का प्रयास करें और बहुसंख्यकों के तीज त्योहारों पर मदरसों में छुट्टी दिए जाने का विरोध ना करें। सामाजिक और धार्मिक सौहार्द के लिए यह आवश्यक है कि विभिन्न धर्मो को मानने वाले एक-दूसरे की भावनाओं और तीज-त्योहारा का सम्मान करें।

कांग्रेस ने किया 12 पदाधिकारियों की एक समिति का गठन

अलीगढ (ईएमएस)। महानगर में कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व महानगर कांग्रेस कमैटी के अध्यक्ष विवेक बंसल पूर्व विधायक काफी गंभीर हैं। इसलिए उन्होंने बूथ कमेटियों के गठन के लिए पार्टी के 12 वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक समिति का गठन किया है। इस समिति में नौषाद कुरैशी, सरदार दलजीत सिंह, नाथूराम रश्क, शाहरूख खान, अमजद हुसैन, गोपाल मिश्रा, डा0 शेरपाल सविता, नफीश शाहीन, विजय लक्ष्मी सिंह, अविनाश शर्मा, आनन्द बघेल, पन्नालाल सुमन शामिल किये गये हैं। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि बूथ कमेटियों में निष्ठावान व संघर्षशील पार्टी कार्यकर्त्ताओं को शामिल किया जाये।

इलाहाबाद में छात्र की हत्या, रेलवे ट्रक के किनारे मिला शव

इलाहाबाद (ईएमएस)। शहर के सोरांव थाना क्षेत्र के अहितेपुर गांव के समीप बुधवार की सुबह एक छात्र का शव रेलवे ट्रैक के किनारे पाया गया। परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने शव को अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पर पुलिस ने शव कब्जें में लेकर इलाहाबाद शहर के स्वरुप रानी नेहरु अस्पताल के चीरघर में शव के विच्क्षेदन के लिये भेज दिया। परिवारवालों से मिली जानकारी के अनुसार इलाहाबाद शहर के सोरांव के भोपतपुर उर्फ अफ्दालपुर गांव निवासी अशोक कुमार १८वर्ष पुत्र लाल बहादुर तीन भाइयों में बड़ा था। वह बीए का छात्र था। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह घर से बताकर निकला कि क्रिकेट मैच खेलने के लिए जा रहा हूँ। लेकिन वह घर नहीं पहुंचा तो उसकी मां सरोजा देवी सहित परिवार के लोग उसकी काफी रात तक खोजते रहे लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पाया। बुधवार की सुबह उसका शव ननिहाल अहितेपुर गांव के समीप स्थित रेलवे लाइन के किनारे पाया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके परिजनों को खबर दी। खबर मिलते ही उसके परिजन भी बदहवास हालत में पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया । पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है।

यीशू दरबार में लगायी विश्व विद्यालय की कमाई

इलाहाबाद (ईएमएस)। शहर के सैम हिग्गिन बॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नॉलाजी एण्ड साइंस प्रबंधन के अधिकारियों पर और शिकंजा कसता जा रहा है। आरोप यह भी है कि विश्वविद्यालय की कमाई का उपयोग यीशू दरबार को लेकर सवाल खड़े करते हुये सैम हिग्गिन बॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नॉलाजी एण्ड साइंस शिआट्स के कुलपति आरबी लाल समेत अन्य अधिकारियों पर लगे करोड़ो की जमीन बेचने का आरोप और विश्वविद्यालय के छात्रों के रूपयों को निजी स्वार्थ में प्रयोग किये। क्राइम ब्रांच अब शिकंजा कसते हुए कुलपति सहित कई अधिकारियों को पूंछताछ के लिए आठ जनवरी को तलब किया है। एक्सिस बैंक के २४ करोड़ घोटाला और सैम हिग्गिन बॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नॉलाजी एण्ड साइंस प्रबंधन के अधिकारियों पर और शिकंजा कसता जा रहा है। आरोप यह भी है कि विश्वविद्यालय की कमाई का उपयोग यीशू दरबार को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। हालात यह भी है कि विश्वविद्यालय के नियमों को ताख पर रखकर शुआट्स में वीसी रजिस्ट्रार, प्रो.वीसी तक बैठा दिए गए।

जिले के 346 स्थानों पर प्रशासन जलवा रहा है अलाव

बाराबंकी(ईएमएस)। अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार सिंह ने बताया है कि शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय, कमजोर वर्ग के असुरक्षति व्यक्तियों को राहत पहुॅचाने के लिए शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुक्रम में जनपद बाराबंकी के ग्रामीण क्षेत्रों एवं नगरीय क्षेत्रों में 17 संचालित रैनबसेरा, 346 अलाव जलवाये जा रहे, राजस्व विभाग की ओर से 8214 कम्बल वितरित, एनजीओ के माध्यम से 400 कम्बल वितरित कराने हेतु व्यवस्थायें सुनिश्चित की गयी है।

ठण्ड से पीड़ित व्यक्तियों के समुचित इलाज हेतु जनपद में समस्त प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सक की तैनाती एवं पर्याप्त आवश्यक औषधियों की व्यवस्था किये जाने के निर्देश के क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी बाराबंकी द्वारा सुनिश्चित की गयी है, तथा किसी परिवार में भूख एवं कुपोषण की स्थिति उत्पन्न होने पर ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखपाल की समिति जिसका अध्यक्ष ग्राम प्रधान है को तत्काल आपसी सहमति से या किसी आकस्मिकता में अकेले ग्राम प्रधान को प्रभावित परिवार की तत्काल राहत प्रदान करने के निर्देश दिये गये है, साथ ही सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये गये है कि किसी भी स्थिति में किसी की मृत्यु भोजन, वस्त्र, आश्रय एवं चिकित्सा के अभाव में न हो। इसके अतिरिक्त अलाव जलाये जाने वाले स्थलों का सतत अनुश्रवण एवं औचक निरीक्षण, सत्यापन किये जाने हेतु समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, समस्त नगर पंचायतों को निर्देश दिये गये है।

आक्रोश थाना सफदरगंज के उपनिरीक्षक ने महिला पत्रकार से की अभद्रता

बाराबंकी(ईएमएस) । सफदरगंज थाने पर तैनात एक उपनिरीक्षक द्वारा क्षेत्र के महिला पत्रकार को थाने के अन्दर जमकर अपशब्द कहे और हवालात में डालने की धमकी तक दे डाली। महिला पत्रकार का कसूर सिर्फ इतना था कि वह एक बेसहारा महिला के साथ में थाने चली गयी थी। उपनिरीक्षक की इस कार्यशैली से क्षेत्रीय पत्रकारों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रीय पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी दरोगा के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। जानकारी के अनुसार, थाना सफदरगंज क्षेत्र के ग्राम पडरा मजरे पडरी निवासिनी नसरीन बानो पत्नी मो. निसार का विवाद गांव के ही महबूब अली पुत्र मखदूर अल्लाभेजू पुत्र महबूब, अजमेरी आदि लोगों से हो गया था। उक्त विवाद में इन दबंगो ने नसरीन बानो की जमकर पिटाई कर दी थी। चूंकि महबूब अली थाने में चैकीदार है। इस कारण पीड़ित महिला की रिपोर्ट थाना प्रभारी ने नही दर्ज की थी। लगातार कई दिनों तक पुलिस अधिकारियों के चक्कर काटने के बाद जब इसको न्याय नही मिला तो पीड़ित महिला भाजपा सांसद प्रियंका सिंह रावत के आवास पर पहुंच गयी थी। जिस मामले को गम्भीरता से लेते हुए सांसद ने एक पत्र लिखकर पीड़ित महिला से कहा था कि जा करके थाने में मेरा पत्र दे देना तुम्हारा मुकदमा लिख लिया जायेगा। उसी पत्र को लेकर 4 जनवरी की दोपहर को कस्बा जैदपुर निवासिनी क्षेत्रीय पत्रकार मोहिनी शर्मा को साथ में लेकर पीड़ित महिला नसरीन बानो थाना सफदरगंज पहुंची तो थाने पर तैनात उपनिरीक्षक अशरफ अली ने जब भाजपा सांसद का पत्र देखा तो वह आग बबुला हो गया और अनाप शनाप बाते कहनी शुरु कर दी। उपनिरीक्षक ने पत्रकार मोहिनी शर्मा को भी जमकर अपशब्द कहे और यह धमकी दी कि अभी तुम्हारा तमाश थाने में ही बना दूंगा और तुम्हारी पत्रकारिता धरी की धरी रह जायेगी। उपनिरीक्षक ने इसके बाद दोनो लोगों को थाने से खदेड़ दिया। घटना के बारे में पीड़ित पत्रकार मोहिनी शर्मा का कहना था कि सफदरगंज पुलिस बेलगाम हो चुकी है। यहां पर किसी भी गरीब को न्याय नही मिल पा रहा है। जब उपनिरीक्षक द्वारा महिला पत्रकार को अपमानित करने की जानकारी क्षेत्रीय पत्रकारों को हुई तो पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त हो गया। उक्त घटना को लेकर शहर में स्थित गांधी भवन में वरिष्ठ पत्रकार संतोष शुक्ला की अध्यक्षता में एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में महिला पत्रकार से उपनिरीक्षक द्वारा की गयी अभद्रता की कड़ी निन्दा की गयी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अगर दो दिनों के अन्दर पुलिस अधीक्षक ने जांच करा करके आरोपी दरोगा के विरुद्ध कार्यवाही नही की तो पत्रकार धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे। बैठक में मुख्य रुप से दिनेश श्रीवास्वत, शमीम अंसारी, मनीष सिंह, अदीब किदवाई सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

विश्व प्रसिद्ध गीतकार गोपालदास नीरज का 94 वां जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

विश्व प्रसिद्ध गीतकार गोपालदास नीरज का मार्लयापण करते लोग

अलीगढ (ईएमएस) । कायस्थ पाठशाला सोसायटी के द्वारा आज आगरा रोड स्थित रघुवीर सहाय इन्टर कालेज (केपी इन्टर कालेज) में विश्व प्रसिद्ध गीतकार गोपालदास नीरज का 94 वां जन्मदिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केपी इन्टर कालेज के प्रबंधक अशोक सक्सैना ने गोपालदास नीरज का माल्यार्पण करके एवं उनका मुंह मीठा कराकर किया। कार्यक्रम का संचालन बी.के.अस्थाना ने किया। कार्यक्रम में गोपालदास नीरज जी के जन्मदिवस पर केपी इन्टर कालेज, लाल बहादुर शास्त्री कन्या महाविद्यालय, शान्ती बाल विद्याल य एवं डी.एस.डिग्री कालेज के सैकड़ों शिक्षकों ने उनका माल्यार्पण करके उन्हें जन्मदिन की बर्धाइ दी। कार्यक्रम में कायस्थ पाठशाला सोसायटी के पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। नगर निगम के पूर्व पीआरओ वीरेन्द्र सक्सैना ने गोपालदास नीरज जी को शॉल उढ़ाकार जन्मदिवस की बधाई दी। कार्यक्रम में नगर आयुक्त संतोष शर्मा भी गोपालदास नीरज के जन्मदिवस पर बधाई देने पहुंचे। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, देहदान कर्तव्य संस्था एवं अन्य कई संस्थाओं के पदाधिकारी गोपालदास नीरज जी को बधाई देने पहुंचे। कार्यक्रम में लोगों ने गोपालदास नीरज जी द्वारा लिखे गये गीतों का गाकर उन्हें जन्मदिवस की बधाइयां दीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक सक्सैना, सुभाष सक्सैना, आर.के.सक्सैना, वीरेन्द्र सक्सैना, इन्द्रमोहन शर्मा, अजित सक्सैना, प्रेमकिशोर पटाखा, मधुप लहरी, डा.आर.पी.वार्ष्णेय, अमित सक्सैना, रजनी गुप्ता, हेमप्रकाश, डा.ए.के.तोमर, अविनाश सक्सैना, डा.डी.के.वर्मा, डा.एस.के.गौड़, राज सक्सैना आदि उपस्थित थे।

वाहन व ट्रक की भिड़न्त में एक की मौत

इलाहाबाद (ईएमएस)। शहर के थरवई थाना क्षेत्र में हाईवे बाई पास के समीप बुधवार की भोर में दुग्ध वाहन व ट्रक की टक्कर में चालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को खबर दी। खबर मिलते ही उसके परिजन भी बदहवास हालत में मौके पर पहुँचे।आनन फानन में किसी तरह गाव के प्राथमिक स्वास्थ केन्द ले गये जहां पर डाक्टरोंने उसकी हालत गम्भीर देख कर घायल को बेहतर इलाज के लिये इलाहाबाद शहर के स्वरुप रानी नेहरु अस्पताल के लिये भेज दिया । घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पर पुलिस ने शव कब्जें में लेकर इलाहाबाद शहर के स्वरुप रानी नेहरु अस्पताल के चीरघर में शव के विच्क्षेदन के लिये भेज दिया। परिवारवालों से मिली जानकारी के अनुसार इलाहाबाद शहर के मिर्जापुर जनपद के कछवा थाना क्षेत्र के बीरापुर गांव के निवासी देशराज ३८वर्ष पुत्र नरेश बहादुर दुग्ध वाहन चलाकर किसी तरह पत्नी रिन्की और एक बेटी का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात दुग्ध कम्पनी से टैंकर लेकर जौनपुर के लिए निकला था। लेकिन रास्ते में थरवई थाना क्षेत्र के जौनपुर हाईवे बाई पास के समीप उसका टैंकर एक ट्रक से जा भिड़ा। भिड़न्त इतनी तेज हुई कि देशराज की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके पास से मिले मोबाइल से उसके परिजनों को खबर दी। उसकी मौत की खबर पाते ही परिजन बदहवास हालत में बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा करके अन्त्य परीक्षण कराया।

योगी राज में भगवा रंग में रंगा गया हज हाऊस

लखनऊ (ईएमएस)। योगी राज में यूपी में हर जगह भगवा रंग दिखाई दे रहा है। इसी कड़ी में अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री कार्यालय के बाद यूपी हज हाउस समिति की दीवारों का भी भगवाकरण हो गया है। लखनऊ के बापू भवन के सामने स्थित यूपी हज समिति की दीवारें शुक्रवार को भगवा रंग में रंगी दिखीं। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। खबर के मुताबिक अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड की तरफ से हज हाउस में भगवा पेंट कराया गया है। इससे पहले हज हाउस की दीवारों पर सफेद और हरा रंग था। इस बारे में यूपी के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मोहसिन रजा की तरफ से बयान जारी हुआ है। मंत्री ने कहा,इस तरह की चीजों विवाद पैदा करने की जरूरत नहीं है। केसरिया रंग ऊर्जा का प्रतीक है और चमकदार होने की वजह से इमारतों पर अच्छा लगता है।विपक्ष के पास हमारे खिलाफ कोई बड़ा मुद्दा नहीं है इसलिए वे अप्रासंगिक मुद्दे उठाते हैं।' बात दे कि इमारतों का गेरुआ रंग से पेंट होने का सिलसिला सिर्फ राजधानी लखनऊ नहीं बल्कि यूपी के अन्य इलाकों में देखने को मिल रहा है। लखनऊ के बापू भवन के सामने स्थित यूपी हज समिति की दीवारें शुक्रवार को भगवा रंग में रंगी दिखीं। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इससे पहले दिसंबर महीने में पीलीभीत के 100 से भी ज्यादा प्राथमिक विद्यालय भगवा रंग में रंग दिए गए थे। शिक्षकों के विरोध के बावजूद भी गांव के सरपंच ने स्कूलों की दीवारों को पेंट करा दिया था। इमारतों के भगवाकरण का सिलसिला अक्टूबर महीने से जारी है जब मुख्यमंत्री के दफ्तर को केसरिया रंग में पेंट किया गया था।लखनऊ से शास्त्री भवन में स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय पहले सफेद रंग से पेंट था। इसके बाद कई सरकारी इमारतों को गेरुआ रंग में रंगा जा रहा है।

तीन तलाक कानून से मुसलमानों का दमन कर रही : सपा

बलिया (ईएमएस)। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी ने केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इशारे पर अल्पसंख्यकों,दलितों और पिछड़ों को समाप्त करने का कुचक्र रचने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी संघर्ष का एलान किया है। सपा के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने आरोप लगाया कि देश और उत्तरप्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है तभी से संघ के इशारे पर पिछड़ा वर्ग,दलितों तथा अल्पसंख्यकों का दमन किया जा रहा है। इसी दौरान उन्होंने महाराष्ट्र में पिछले दिनों दो पक्षों की हिंसक झड़प का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की घटना से भाजपा का दलित विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। भाजपा एक रणनीति के तहत दलितों,पिछड़े वर्ग के लोगों तथा अल्पसंख्यकों को नेस्तनाबूद करने पर आमादा है। चौधरी ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनते ही योगी सरकार ने स्लॉटर हाउस बंद करने की आड़ में मुसलमानों को परेशान किया। भाजपा एक रणनीति के तहत दलितों,पिछड़े वर्ग के लोगों तथा अल्पसंख्यकों को नेस्तनाबूद करने पर बर्बर अत्याचार किया गया और उनकी लड़ाई लड़ने वाले को जेल भेजा गया।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी भाजपा सरकार के दमनकारी नीतियों के खिलाफ अहिंसात्मक तरीके से महात्मा गांधी,राम मनोहर लोहिया तथा लोकनायक जयप्रकाश नारायण के दिखाए गए रास्ते का अनुसरण करते हुए राष्ट्रव्यापी संघर्ष करेगी। चौधरी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार तीन तलाक के खिलाफ प्रस्तावित कानून के जरिए मुसलमानों का दमन करना चाहती है।

यतीन बच्चों को दें खुशी तो मिलती है दुआ: वर्मा

बाराबंकी(ईएमएस) । औलाद को तो खुशियां देते हैं खरीद कर, बच्चा कोई यतीम हंसाओ तो बात है...। यह बात पूर्व ब्लाक प्रमुख व प्रमुख प्रतिनिधि चन्द्रशेखर वर्मा ने बनीकोडर ब्लाक के सभागार में बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान, बाराबंकी एवं एहसास लखनऊ के संयुक्त प्रयास से संचालित उप्र फूड बैंक के लाभार्थियों को राशन के पैकेट व कम्बल वितरित करते हुए कही। राशन व कम्बल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री वर्मा ने कहा कि किसी एक बेसहारा का सहारा बनना दस तीर्थ करने के समान है। स्वयं सेवी संस्थाएं क्षेत्र के 100 बेसहारों का सहारा बनी हैं जो कि कई यज्ञों के समान है। वहीं इस भयानक ठंड में जब भोजन सामग्री के साथ कम्बल मिला तो बेसहारा लोगों की खुशी का ठिकाना न

रहा तुरन्त कम्बल ओढ़कर राहत की सांस ली। बनीकोडर ब्लाक के सभागार में तीसरे माह में भी चयनित 100 बेसहारा बच्चों एवं वृद्ध महिलाओं को फूड बैंक के तहत खाद्यान्न सामग्री दो किलो आटा, दो किलो चावल, एक किलो दलिया, एक किलो दाल के पैकेट के साथ कम्बल का वितरण किया गया। पशुधन प्रसार अधिकारी राजाराम ने कहा कि ख्वेश कुमार व उनकी टीम ने इस भयानक सर्दी में बेसहारा लोगों को राशन व कम्बल देकर उनका सहारा बने हैं जो ईश्वरीय कार्य है। राजाराम ने कहा समाज के जागरूक लोगों को यह जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि अपने पास पड़ोस का कोई भी व्यक्ति भूखा न सोये और उसे पर्याप्त ओढ़ने पहनने के कपड़े मिले। चाइल्ड लाइन के निदेशक व संस्थान के अध्यक्ष ख्वेश कुमार ने सभी लोगों को नये साल की शुभकामनाएं दी और लोगों को रोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। बताया कि प्रत्येक माह फूड बैंक का राशन वितरित किया जा रहा है जो समाज के सम्भ्रान्त नागरिकों से लेकर बेसहारा लोगों तक पहुंचाने का काम संस्था की टीम कर रही है। फूड बैंक के संचालन में एहसास की महासचिव शचि सिंह के साथ ही जिले के तमाम गणमान्य लोगों का योगदान है। चाइल्ड लाइन टीम के लीडर अवधेश कुमार, अखिलेश कुमार, राम कैलाश, शान्ती देवी एवं अंजली जायसवाल खाद्यान्न सामग्री संकलित करने में विशेष योगदान रहा।

लगातार 11 वें दिन भी जारी रहा आप का धरना धरने पर बैठे एक ग्रामीण की हालत बिगडी, भर्ती

बाराबंकी(ईएमएस) । कोतवाली नगर अन्तर्गत एक पखवारा पूर्व दबंगो द्वारा कीमती जमीन पर अवैध कब्जा करने की बात को लेकर धरने पर बैठे आम आदमी के बैनर तले पिछले दस दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे एक व्यक्ति की तबियत बीती रात खराब हो गयी। जिसको इलाज के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेकिन इसके बावजूद जिला प्रशासन पूरे प्रकरण पर अभी भी आंखे बंद करे बैठा हुआ है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम हुसेमऊ में सड़क किनारे कीमती जमीन पर राजस्व विभाग के अधिकारियों और स्थानीय पुलिस के दम पर दबंगो ने अवैध कब्जा कर लिया था। जिन गरीबों की जमीन थी। उन्होने इसकी शिकायत उपजिलाधिकारी नवाबगंज से लेकर जिलाधिकारी से की थी। लेकिन किसी भी अधिकारी ने ग्रामीणों की शिकायत पर कोई ध्यान नही दिया था। इसके बाद आम आदमी पार्टी के जिला सचिव दिनेश गौतम की अगुवाई में पीड़ित ने 27 दिसम्बर से धरना प्रदर्शन गन्ना संस्थान में शुरु कर दिया था। लगातार चल रहे धरना प्रदर्शन के बावजूद भी जिला प्रशासन इस तरफ कोई भी ध्यान नही दिया। बीती रात धरने पर बैठे ग्राम हुसेमऊ के रहने वाले कल्लू रावत पुत्र मैकू की तबियत अचानक खराब हो गयी। धरना स्थल पर ही उसको खून की उल्टी होने लगी। जब इस बात की भनक स्थानीय अधिकारियों को हुई तो उन्होने आनन फानन में कल्लू को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जहरीला दूध पीने से एक ही परिवार के तीन की गई जान

पटना (ईएमएस)। बिहार में जहरीला दूध पीने से एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों में पति-पत्नी एवं पुत्र शामिल हैं जो रात में दूध पीकर सोये थे। बताया जाता है कि दूध में छिपकली गिर गई थी। अंधेरा होने के कारण किसी ने देखा नहीं और दूध पी लिया जिससे उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि बुधवार की देर शाम प्रभु राय उसकी पत्नी यशोदा देवी और उसका पुत्र उपेंद्र राय ने घर में रखा दूध गर्म करके पी लिया. उसकी पुत्री को पेट में दर्द था जिसके कारण उसने शाम को न खाना खाया न ही दूध पिया। सुबह जब वह अपने भाई और माता-पिता को जगाने के लिए गई तो तीनों मृत पाए गए। अंधेरा होने के कारण किसी ने देखा नहीं और दूध पी लिया जिससे उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि बुधवार की देर शाम प्रभु राय उसकी पत्नी यशोदा देवी और उसका पुत्र उपेंद्र राय ने घर में रखा दूध गर्म करके पी लिया. उसकी पुत्री को पेट में दर्द था जिसके कारण उसने शाम को न खाना खाया न ही दूध पिया। जानकारी के मुताबिक महुआ थाना क्षेत्र के फुलार गांव के निवासी 65 वर्षीय प्रभु राय, उसकी 62 वर्षीय पत्नी यशोदा देवी, उसके 30 वर्षीय पुत्र उपेंद्र राय की मौत हो गई। प्रभु राय की 18 वर्षीय पुत्री मनीषा कुमारी ही पूरे परिवार में जीवित है।

लूट का विरोध करने पर डकैतो ने युवक को मारी गोली

बाराबंकी(ईएमएस) । थाना जहांगीराबाद अन्तर्गत बीती रात डकैतो ने एक घर में धाबा बोलकर जमकर लूटपाट की बाद में गृहस्वामी के विरोध करने पर डकैतो ने उसको गोली मारकर गम्भीर रुप से घायल कर दिया। डकैतो ने यहां से हजारो रुपये की नकदी सहित अन्य कीमती सामान भी लूटने में सफल रहे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी जहांगीराबाद ने मुकदमा दर्ज करके गम्भीर रुप से घायल युवक को पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में डाक्टरों ने उसे लखनऊ ट्रामा सेन्टर रिफर कर दिया। इस घटना के बाद से आस पास के गांवो में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। पुलिस ने अज्ञात डकैतों की तलाश शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 1 बजे थाना जहांगीराबाद क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहादुर पुर की नई बस्ती निवासी घिसनू जहां के घर पर डकैतों ने धाबा बोला घर के बाहर लगे छप्पर को हटा करके डकैत अन्दर कमरे में घुस गये। घर पर मौजूद घिसनू की पत्नी नूरजहां पुत्र निजामुद्दीन, छंगा और कलामुद्दीन की आंख खुल गयी तो डकैतो ने सभी लोगों को लाठी डण्डो से पीटना शुरु कर दिया। पिटाई के बाद डकैत घर में रखे पांच हजार रुपये नकद, जेवरात व अन्य कीमती सामान लूट कर चलने लगे तो घिसनू के पुत्र कलामुद्दीन ने पीछे से भागकर एक डकैत को पकड़ लिया अपने साथी को फसता हुआ देख करके एक डकैत ने देशी तमंचे से कलामुद्दीन पर गोली चला दी। गोली लगते ही कलामुद्दीन वहीं पर तड़पने लगा और इधर डकैत अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। ग्रामीणों ने उक्त घटना की सूचना जब जहांगीराबाद थाना प्रभारी को दी तो सूचना मिलते ही आनन फानन में थाना प्रभारी दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गये उन्होने सबसे पहले घायल कलामुद्दीन को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डाक्टरों ने उसे लखनऊ ट्रामा सेन्टर रिफर कर दिया। डकैती की सूचना पर आज सुबह क्षेत्राधिकारी सदर सहित कई अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित परिजनों को आश्वासन दिया कि जल्द ही घटना को अंजाम देने वाले डकैत हिरासत में होंगे।

क्रांति समय

संवाददाता, सूरत। दि. 5 जनवरी 2018 को सुबह 11.00 बजे नई स्थाई समिति खण्ड में स्टीयरिंग कमिटी की मिटिंग रखी गई। जिसमें शहर मनपा महापौर अस्मिताबेन शिरोया, स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष अनिल बिस्किटवाला, डि.कमिश्नर हेल्थ एण्ड हॉस्पिटल डॉ. हेमन्त देसाई और ई.चा. आरोग्य अधिकारी डॉ.के.ए.श्राफ मौजूद थे।

पांडेसरा से प्लास्टिक की बोरी में मिली युवक की लाश

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा के विनायक नगर के प्रभुनगर खाड़ी के किनारे से प्लास्टिक की बोरी में भरी गई एक युवक की लाश मिलने से समग्र क्षेत्र में सनसनी मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा के विनायकनगर स्थित प्रभुनगर के पास से जाने वाली खाड़ी के किनारे से 30 से 35 वर्षीय एक अज्ञात युवक की सड़ी-गली लाश प्लास्टिक की बोरी में लाश मिली है। घटना के बारे में जानकारी होने पर पांडेसरा पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। युवक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष की है। युवक को रस्सी से बांधकर उसे प्लास्टिक की बोरी में भरकर किसी ने खाड़ी में फेंक दिया होगा। बहरहाल पुलिस लाश को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेजकर आगे की जांच कर रही है।

मार्केट में निरस रही ग्राहकी

मकर संक्रांति बाद ग्राहकी में बढ़ोतरी के आसार

संवाददाता, सूरत। कभी अपने ग्राहकी पर इतराने वाला सूरत का कपड़ा कारोबार आज अपने अस्मिता को बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहा है। बीते साल आठ नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मुद्रा से एक हजार व पांच सौ के नोट को प्रचलन से बाहर करने का ऐलान किया। इस ऐलान के बाद से ही कपड़ा मार्केट में मानो आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक हो गई। तभी से यह कारोबार आज तक मंदी से उबर नहीं सका है। नोट बंदी की त्रासदी से जैसे ही सूरत का कपड़ा कारोबार उबरने लगा। तभी केंद्रीय वित्तमंत्री अरूण जेटली ने 30 जून की आधीरात से जीएसटी लागू कर एक बार फिर सूरत के कपड़ा कारोबारियों को बैक फुट पर ला दिया। जीएसटी को लेकर कपड़ा कारोबारी लम्बे समय तक आन्दोलन किया लेकिन उन्हें जीएसटी से राहत नहीं मिल पाई। वहीं उत्तर प्रदेश व अन्य कई प्रदेश की सरकार ई-बे-बिल लागू कर दिया। जिससे इन प्रदेशों में बिना ई-वे-बिल चालान के साथ माल नहीं भेजा जासकता।

जिससे इन प्रदेशों के व्यापारी कपड़ा बाजार से ग्राहकी करना बंद कर लोकल मंड़ियों में ग्राहकी शुरू कर दी। वहीं उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ने से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमांचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू काश्मीर, पंजाब, बिहार सहित अन्य ठंडे प्रदेशों के कपड़ा कारोबारी सूरत कपड़ा मंडी आने के बजाय गर्म कपड़ों की लुधियाना, दिल्ली, पंजाब, काश्मीर सहित अन्य मंडियों में जमकर ग्राहकी कर रहे हैं। जिससे सूरत का कपड़ा बाजार में शुक्रवार को ग्राहकी निरस रही। देर शाम को अधिकांश कपड़ा कारोबारी ग्राहकी नहीं होने पर अपनी दुकानों को मंगल कर घर चले गए। कपड़ा कारोबारियों का कहना है कि मकर संक्रान्ति के बाद कपड़ा ग्राहकी में तेजी आने की सम्भावना है।

अज्ञात युवक की पेड़ पर फांसी लगे हालत में मिला शव

संवाददाता, सूरत। नई सिविल के कैंपस में स्थित एक बिल्डिंग के पीछे खुली जगह में पेड़ के साथ फांसी लगे हालत में एक अज्ञात युवक की लाश लटकती हुई मिलने से सनसनी मच गई है। घटना के बारे में खटोदरा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नई सिविलि अस्पताल के कैंपस में स्थित कुंज बिल्डिंग के पीछे खुली जगह में एक पेड़ से एक अज्ञात युवक की फांसी पर लटकते हुए लाश मिली। मृतक की उम्र 20 से 25 वर्ष होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकी मृतक कौन है, किन कारणों से फांसी लगाया? इस संदर्भ में खटोदरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

कपड़ा कारोबारी के 67 हजार डूबे

सलाबतपुरा थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज

संवाददाता, सूरत। कपड़ा मार्केट में एक लेडिज सूट कारोबारी को 67 हजार ठगी का शिकार होने का मामला प्रकाश में आया है। कपड़ा कारोबारी ने सलाबतपुरा थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सलाबतपुरा इलाका निवासी मोहम्मद तबरेज रियाजुद्दीन सैयद कपड़ा कारोबारी है। उसकी श्याम मार्केट में जय मातादी क्रिएशन के नाम से लेडिज सूट का कारोबार है। उसकी दुकान पर गोडादरा के श्याम श्रृष्टि प्रवासी व राजस्थान के वीरजालोरी सिरोही निवासी ओमप्रकाश कुशललाल रावल आया। उसने अपने को अच्छा कारोबारी बताया। अपने साथ कारोबार करने में मुनाफे का झांसा दिया। उसकी बातों में आकर मोहम्मद तबरेज ने 67 हलार 116 रूपये कीमत की लेडिज सूट उधारी में दे दिया। आरोपी ने उधारी का भुगतान निर्धारित समय पर करने का भरोसा दिया।

उसके बाद आरोपी ने भुगतान के लिए अलग-अलग बहाना बनाने लगा। बाद में आरोपी ओमप्रकाश अपनी दुकान बंद कर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर सलाबतपुरा पुलिस ने आरोपी दुकानदार के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

श्री श्याम मिलन महोत्सव का आयोजन कल

श्याम भजन संध्या व महाप्रसाद सहित अन्य कार्यक्रम

संवाददाता, सूरत। श्री श्याम सरकार यात्रा संघ सूरत की ओर से तृतीय वार्षिकोत्सव का आयोजन रविवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर बाबा का भव्य दरबार सिटी लाइट के महाराजा अग्रसेन भवन के पंचवटी हाल में सजाया जाएगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष 6.30 बजे अखंड ज्योत प्रज्जवलित की जाएगी। शाम को श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जयपुर के आमंत्रित कलाकार मुकेश बागड़ा व स्थानीय कलाकार संजय अग्रवाल अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम मंच्च का संचालन शिव प्रसाद पोद्दार करेंगे। अलौकिक दरबार के मुख्ख्य यजमान मनोज गोयल व छप्पन भोग के यजमान बाबूलाल गुप्ता होंगे। महोत्सव के मुख्य अतिथि राम प्रकाश बेडिया और कौशल खडेलिया होंगे।

पूणा और लिंबायत में खाद्य आपूर्ति विभाग का छापा

सरकारी राशन के दो दुकानदारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सूरत। शहर के खाद्य आपूर्ति विभाग ने मिली शिकायत के आधार पर सरकारी राशन की दुकानों पर छापा मारने का अभियान चलायाया है। इस अभियान के अंतर्गत पूणा और लिंबायत के दो दुकानदारों के खिलाफ विभाग ने खामी पाए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कीहै। प्राप्त जानकारी के अनुसार आपूर्ति विभाग ने पूणा के सरकारी राशन के दुकानदार कांतीभाई नाथूभाई परमार (निवासी-उगत रोड पाल, तथा दुकान स्थल 359 नंदनवन सोसाइटी पूणा) की दुकान पर छापा मारा। जहां कम्प्युटर में ग्राहकों के बायोमेट्रिक में गड़बड़ी करके मानक के अनुसार वजन से कम सामान देने की वास्तविकता सामने आई और सरकारी सामान को किसी दूसरे के दुकान में गैर कानूनी तरीके से रखा गया था। जिससे विभाग ने कार्ड धारकों का बयान लेकर दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

इसी तरह ही लिंबायत के रामनगर इदगाह के पास 91/92 में सरकारी दुकान धारक नूरमोहम्मद इस्माइल वोरा के यहां छापा मारा। जहां ग्राहकों के फर्जी फिंगर प्रिंट के जरिए सरकारी योजना का दुरुपयोग किए जाने तथा अनाज को तंत्र की संज्ञानता के बगैर ही ब्लेक में बेंच देने की जानकारी सामने आई है।

शिक्षकि के थप्पड़ से छात्र के कान से निकला खून

राजकोट (ईएमएस)। शहर की प्राथमिक स्कूल की शिक्षकि ने होमवर्क नहीं करनेवाले 11 वर्षीय छात्र को इतनी जोर से थप्पड़ मार दिया कि उसके कान से लह निकल आया। लहूलुहान हालत में बच्चे को फौरन अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक राजकोट के आजीडेम के निकट स्थित हलेंडा की प्राथमिक स्कूल में अध्ययनरत युवराज शंकरभाई परमार नामक छात्र के अधूरे होमवर्क से शिक्षकि बिफर गई और उसकी जमकर धुनाई कर दी।

राजस्थान माली समाज का शिक्षा जागृति एवं स्नेह मिलन समारोह

संवाददाता, सूरत। श्री समस्त राजस्थान माली समाज का स्नेह मिलन समारोह एवं बेटी बचाओं-बेटी पढाओं का केन्द्र द्वारा अभियान के लागु किये जाने पर समाज की तरफ से बेटियों की शिक्षा संबंधी चर्चा के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माली समाज की वाड़ी भातवारी के समीप अन्तरोली गांव में किया गया है। समाज की मध्यम वर्ग की कन्याओं को समाज ट्रस्ट की तरफ से हर साल साहयता दी जाती है। उसके उपरांत होनहार छात्र-छात्राओं पठाई मे अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पारितोषिक देकर समाज की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। शनिवार को पूजा अर्चना और भजन संध्या का ओयजन किया गया है। समज की जाजम पर चढावे के लिए बोलिया लगाई जाएगी। इस उपलक्ष में संत श्री लिखमीदासजी धाम अमरपुरा नागौर से राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत भी समारोह का हिस्सा बनेंगे। मीडिया प्रभारी और स ंचालक रमेश परमार ने बाताया कि समाज को दो दिवसीय आयोजन में स्वागत समारोह और पुरस्कार वितरण किया जाएगा। मुख्य अतिथि नवसारी सांसद सी. आर. पाटिल, मुंबई माली समाज के अध्यक्ष चेनाराम, मोतीलाल सांखला राष्ट्रीय जाग्रति मंच, विशेष अतिथि में भाजपा पूर्व मंत्री रोहित शर्मा, पार्षद विजयभाई चौमाल। आईआरएस घनश्याम भाई सोनी, अंतोली के सरपंच उपस्थित रेहंगे।

जोग भारती एंड कम्पनी ले द्वारा धार्मिक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। बाबारामदेव के भजनों से श्रोता मन्त्र मुग्ध हो जाएंगे। देश के विभिन्न राज्यों से सूरत के अत्रोली गांव में एकत्रित होकर समाज के मूल्यनिष्ठ और नियमों की परिपालना के लिए रुपरेखा बनाई जाएगी।

दुर्घटना में मारे गए दंपत्ति की बच्चों को 2 करोड़ का मुआवजा देने का आदेश

अहमदाबाद (ईएमएस)। मोटर व्हीकल एक्ट ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) कोर्ट ने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दंपत्ति की पुत्री और उसके दादा-दादी को रु. 2 करोड़ का मुआवजा देने का ट्रेलर मालिक और इंश्योरंस कंपनी को आदेश दिया है। अहमदाबाद के मणीनगर निवासी प्रसन्नाजी भंडारी, पत्नी शिल्पी, पुत्र प्रियम और पुत्री प्रियल आई-10 कार में राजस्थान से अहमदाबाद की ओर लौट रहे थे। रात करीब 10.45 बजे आबू रोड पर रोंग साइड में तेज रफ्तार में आए ट्रेलर ने आई-10 कार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में प्रियल को छोड़ भंडारी दंपत्ति और उनके पुत्र की मौत हो गई थी। इस मामले में प्रियल भंडारी और उसके दादा-दादी ने मुआवजे के लिए अपील की थी। एमएसटी कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान संज्ञान लिया कि मृतक दंपत्ति की वार्षिक आय रु. 15 लाख थी, जिसे ध्यान में रखते हुए उनके परिजन को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। कोर्ट ने प्रसन्नाजी भंडारी की मौत के लिए रु. 95.25 लाख, पत्नी शिल्पी भंडारी की मौत के लिए रु. 94.23 लाख, पुत्र प्रियम की मौत के लिए रु. 3.85 लाख और दुर्घटना में घायल प्रियल को रु. 7.87 लाख समेत कुल रु. 2 करोड़ का मुआवजा देने आदेश दिया है। दो करोड़ रुपए की रकम ट्रेलर मालिक और इंश्योरंस कंपनी को संयुक्त रूप से चुकानी होगी।

पतंग की डोरी बनी मासूम की काल

पिता के साथ कार में जा रही बच्ची खिड़की के बाहर सिर निकाल रखी थी

संवाददाता, सूरत। शहर के रिंग रोड एप्पल अस्पताल के सामने कार में अपने पिता के साथ सवार होकर जा रही मासूम का गला पतंग की डोरी में आ जाने से कट गया, गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया। जहां ऑपरेशन करने के बाद भी बच्ची को बचाने में सफलता नहीं मिली और उसकी करुण मौत हो गई। घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार मांडवी तालुका के हथरण केला फलिया में रहने वाले युनुशभाई गत रोज अपनी कार में पुत्री फातिमा को लेकर जा रहे थे। उसी दौरान रिंग रोड एप्पल अस्पताल के सामने ओवर ब्रिज से जाते समय उनकी पुत्री फातिमा कार की खिड़की में से सिर निकाल रखी थी। तभी पतंग की डोरी उसके गले में आ जाने से गला कट गया। जिसको इलाज के लिए पिता युनुशभाई एप्पल अस्पताल में ले गए।

जहां फातिमा का जटिल ऑपरेशन कर सर्जरी किया गया। लेकिन मासूम फातिमा को बचाने में डाक्टर असफल रहे और उसकी इलाज के दौरान ही मौत हो गई।

पांचवीं मंजिल से गिरी मासूम की मौत

संवाददाता, सूरत। घोड़दौड़ रोड के आशीर्वाद पैलेस की पांचवीं मंजिल पर खेल रही दो साल की मासूम बच्ची की गिरने से इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घोड़दौड़ रोड जमना नगर बस स्टैंड के पास आशीर्वाद पैलेस आर-533 में रहने वालेल कौशिकभाई ठक्कर की पुत्री कनिष्का (2 वर्ष) गत रोज शाम को खेल रही थी। उसी दौरान वह अचानक पांचवी मंजिल से नीचे गिर गई। गंभीर रूप से घायल कनिष्का को उसके चाचा करणभाई समीप के शिवज्योति प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किए।

मा. सुबाष मौर्य मा.अच्छेलाल मौर्य मा. सुरेश मौर्य मा. अशोक मौर्य मा. नवनीत मौर्य मा. दिनेश बागुल मा. ओमप्रकाश डॉ. चंद्रकांत पाटील मा.राधेश्याम मौर्य

एकीकरण एवं जागरूकता अभियान

ग्रामसभा/वार्ड स्तरीय टीम का गठन

दिन: रविवार,दिनांक: 14 जनवरी-2018, समय: सायं 4:00 -8:00 बजे तक

हमारी आवाज बनेगी,भारत की आवाज

हम मिलकर बनायेंगे अपने,सपनों का भारत-अखंड भारत

हम मिलकर करेंगे, अपनी हर समस्या का समाधान !

आज ही हमसे जुड़ें ! सिर्फ मिस्ड कॉल करें 8076615402

आइये, हम सबमिलकर अखंड भारत की नीव पुनः रखें

सभी क्षेत्रवासी सादर आमंत्रित हैं !

कार्यक्रम स्थल
ग्रामसभा सिरकिना, सिंगरामऊ-महुली मार्ग
बौद्ध विहार के समीप, बदलापुर,
जौनपुर, उत्तरप्रदेश

सम्पर्कसूत्र
8200090286/ 9891367219
9322986911/ 9819506427

SPYFI-INDIA always with you!

मुख्य अतिथि
मा. आर. पी. द भारतीय
(अखंड भारत)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
PH-9718554504/9891367219

मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है : प्रवीण तोगडिया

अहमदाबाद (ईएमएस)। 21 साल पुराने मामले में अदालत से जमानत मिलने के बाद विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) नेता डॉ. प्रवीण तोगडिया पर कड़े प्रहार किए और कहा कि मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है। अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में भाजपा के वरिष्ठ नेता आत्माराम पटेल पर हमला करने के मामले में प्रवीण तोगडिया समेत 39 लोगों के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी हुआ था। वारंट जारी होते ही प्रवीण तोगडिया समेत आज कई आरोपियों ने अहमदाबाद की मेट्रो कोर्ट में हाजिरी लगाई। मेट्रो कोर्ट ने हाजिर हुए आरोपियों के खिलाफ गैरजमानती वारंट खारिज करते हुए 30 जनवरी तक जमानत दे दी। अदालत से बाहर आने के बाद पत्रकारों के समक्ष आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे खिलाफ षडयंत्र रचा जा रहा है। तोगडिया ने कहा कि आत्माराम पटेल पर हमला करने का मुझ गलत आरोप लगाया गया है। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की जानकारी के बगैर गुजरात के बाहर से कुछ लोगों ने राज्य के पुलिस अधिकारियों पर मेरे खिलाफ वारंट जारी करने का दबाव किया है। मेरे खिलाफ साजिश रचने वालों को जानता हूं और समय आने पर उनका खुलासा करूंगा। तोगडिया ने कहा कि मैं अयोध्या में राम मंदिर बनाने, गौहत्या रोकने, सिविल कोड बनाने, किसानों को पोषक दाम दिलाने और हिन्दुओं को रोजगार देने की आवाज उठा रहा हूं। इन मुद्दों को लेकर मेरी आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। तोगडिया ने कहा कि मैं हर महीने अहमदाबाद आता हूं और 4-5 दिन रूकता हूं, इसके बावजूद आज तक मुझे एक भी समन नहीं मिला। उन्होंने सवाल किया

कि ऐसा कौन है जो समन जारी होने के बाद मुझ तक पहुंचने से रोक रहा है। ऐसे लोगों की जांच होनी चाहिए। तोगडिया ने कहा कि गैरजमानती वारंट जारी होने के बाद मैं अदालत में हाजिर हुआ था और कोर्ट ने मेरे खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी कर दिया है। अब जब भी मेरे खिलाफ वारंट जारी होगा, तब मैं अदालत में पेश होऊंगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा ताप्तीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com